47% 12:09 p.m.

Deepika pal+1499

Deepanshu Deshwal

Close **Participants (6)**

P Poonam Rathi (me, host)

DD Deepanshu Deshwal

DP Deepika pal+1499

NB Nisha Bhardwaj

T Tanya👑👑

DP Deepika Pal+1499

Invite | Mute All | Unmute All

47%
12:09 p.m.
Tanya👑👑
Deepika Pal+1499

(एकालाप)

30/04/2020

मनुष्य अपने आंतरिक भावों या विचारों के संप्रेषण हेतु भाषा का प्रयोग करता है। कोई भी संप्रेषण तभी सफल हो सकता है जब उसमें संवाद हो। और संवाद दो प्रकार से संभव है - एक तो जब कोई वक्ता अकेले ही संबोधक के रूप में अपनी बात कहता है, कोई दूसरा उसके उत्तर में कुछ नहीं कहता। दूसरा रूप जिसमें एक से अधिक वक्ता एवं श्रोता आपस में बातचीत करके किसी सम्प्रेषण को ग्रहण करें। इसी आधार पर वक्ता-श्रोता की दृष्टि से संवाद के दो मुख्य रूप कहे जा सकते हैं - एकालाप और संवाद।

अकेले व्यक्ति द्वारा अपने आप से की गई बात एकालाप कहलाती है। और संवाद से तात्पर्य है - एक से अधिक व्यक्तियों की आपसी बातचीत।

एकालाप वे हैं जो मंच पर किसी को सुना सुनाए नहीं जाते उसमें एक वक्ता होता है। उसके लिए कोई नियम नहीं होते। एकालाप प्रायः संक्षिप्त ही होते हैं।

(संवाद) :- संवाद शब्द से अभिप्राय है अच्छी तरह से परस्पर बातचीत करना। यह 'संलाप' का पर्याय है। इसमें दो पक्ष आवश्यक हैं - 'एक संबोधक दूसरा संबोधी'। दोनों पक्ष प्रत्यक्ष रूप से अलग-अलग अस्तित्व रखते हैं। दोनों की भूमिकाएं बदलती रहती है। वक्ता श्रोता से कुछ कहता है जिसका उत्तर देते समय वक्ता और श्रोता की भूमिकाएं बदल जाती है अर्थात वक्ता-श्रोता और श्रोता वक्ता बन जाता है। जैसे -

राजन् - जी नमस्ते!

पिता - खुश रहो बेटे! मैं ये क्या सुन रहा हूं

राजन् - क्या पिताजी?

Teacher's Signature :